सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

संजय कुमार ने महाराष्ट्र के डेटा को गलत बता मांगी माफी

कानपुर, बुधवार, 20 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 221, पृष्ठः 8+4

इनसाइड प्रदेश में कहीं भी खाद की कमी नहीं... » Pg 04

» Pg 12

मिली राहत : मऊ एमएलए अब्बास अंसारी की विधायकी नहीं जाएगी

भड़काऊ भाषण मामले में हाई कोर्ट ने रद्द की 2 साल की सजा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मऊ। यूपी की मऊ सदर सीट से सुभासपा विधायक और मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को बड़ी राहत मिली है। भड़काऊ भाषण के मामले पर उनकी विधायकी नहीं जाएगी। निचली अदालत के फैसले पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। एमपी-एमएलए कोर्ट की तरफ से 2 साल की सजा को उच्च अदालत ने रद्द कर दिया है। इसका मतलब है कि अब मऊ सदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव नहीं होगा।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अब्बास अंसारी को सजा का फैसला रद्द कर दिया है। इस बारे में 30 जुलाई को फैसला सुरक्षित रखा गया था। अब उनकी विधायक की बहाल हो जाएगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हेट स्पीच के मामले में हुई सजा स्थगित कर दी थी। आज इसका फैसला न्यायमूर्ति समीर जैन ने दिया है। उल्लेखनीय है कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से मऊ सदर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से एमएलए रहे अंसारी ने 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी के सत्ता में आने पर राज्य सरकार के अधिकारियों को परिणामों की धमकी दी थी।

इस मामले में ट्रायल के बाद मऊ की स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए कोर्ट ने अब्बास अंसारी को आईपीसी की धारा 153-ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 189 (सार्वजनिक सेवक को चोट पहुंचाने की धमकी) के तहत अपराध के लिए दो-दो साल कैद की सजा सुनाई थी। इसके अलावा धारा 506 में एक वर्ष और धारा 171-एफ (चुनाव में अनुचित प्रभाव या व्यक्तिगत पहचान) के तहत अपराध के लिए छह महीने कैद की सजा सुनाई थी।

स्पेशल कोर्ट ने सभी सजाएं एकसाथ चलाए जाने को कहा था। इसके अलावा दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। भाषण के दौरान मंच पर मौजूद अब्बास अंसारी के चुनाव एजेंट मंसूर अंसारी जो को भी मामले में दोषी ठहराया गया और छह महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी। इस फैसले के खिलाफ अब्बास अंसारी की अपील मऊ की स्पेशल अपर सत्र न्यायाधीश के समक्ष लंबित है। इसके साथ अंसारी ने सजा को स्थगित करने के लिए प्रार्थना पत्र भी दिया था जिसे गत पांच जुलाई को खारिज कर दिया गया था। इस आदेश के खिलाफ उन्होंने यह पुनरीक्षण याचिका दाखिल की।

पिछले 23 साल म

उपराष्ट्रपति पद के लिए हो चुके हैं 5 चुनाव, एक उम्मीदवार को मिली दो बार जीत

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद चुनाव में इस बार मुकाबला एनडीए के सीपी राधाकृष्णन और विपक्ष के बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच देखने को मिलेगा। माना जा रहा है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन आराम से जीत के लिए जरुरी वोट हासिल कर लेंगे। इन सभी चुनावों में सत्ताधारी दल द्वारा उतारे गए प्रत्याशी को जीत हासिल हुई। मोहम्मद हामिद अंसारी इकलौते उपराष्ट्रपति ऐसे राष्ट्रपति हैं, जो लगातार दो बार चुने गए। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के दिग्गज नेता रहे भैरों सिंह शेखावत साल 2002 में उपराष्ट्रपति चुने गए।

हत्या या आत्महत्या

शादी के 6 महीने बाद ही पति से हो गया था झगड़ा, हो गया था तलाक

पति से तलाक, इरफान संग लिव-इन रिलेशनशिप, अब फंदे पर लटका मिला शव...

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झांसी। मीनू प्रजापति की शादी 2102 में मध्य प्रदेश के मुरैना में हुई थी। लेकिन, शादी के करीब 6 महीने बाद ही उसका अपने पति से झगड़ा हो गया। इसके चलते कुछ समय बाद ही मीनू और उसके पति का तलाक हो गया। बाद में मीनू मायके में रहने लगी। इस दौरान वह इरफान के करीब आ गई।

झांसी के सदर थाना क्षेत्र के भगवंतपुरा में 38 वर्षीय ब्यूटीशियन मीनू प्रजापति का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिवार ने आरोप लगाया कि मीनू की हत्या उसके प्रेमी इरफान ने की और शव को फांसी पर लटकाकर आत्महत्या का रूप दिया। मीनू लंबे समय से इरफान के साथ लिव-इन में रह रही थी। इरफान पहले से शादीशुदा था और हाल ही में दूसरी शादी करने से दोनों के बीच विवाद बढ़ गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई की बात कही है। सदर बाजार थाना प्रभारी प्रकाश सिंह ने कहा कि मीनू और इरफानन के बीच लंबे समय से संबंध थे और प्राथमिक जांच में आत्महत्या का मामला लग रहा है। सीओ सिटी लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई होगी।

कैसे इरफान के करीब आई मीनू

मृतका के जीजा ने बताया कि मीनू नंदनपुरा में एक ब्यूटी पार्लर पर काम करती थी। जब वह ब्यूटी पार्लर का काम सीख रही थी तब वह एक सहेली के साथ पार्लर आती-जाती थी। सहेली का भाई इरफान भी पार्लर आता-जाता रहता था। मीनू की इरफान से लगभग 20 साल पहले दोस्ती हो गई थी। परिवार ने 2012 में मीनू की शादी मध्य प्रदेश के मुरैना में कर दी थी। लेकिन, शादी के करीब 6 महीने बाद झगड़ा हो गया और फिर बाद में तलाक हो गया। बाद में मीनू मायके में रहने लगी। पिछले 10 साल से मीनू भगवंतपुरा में रह रही थी, जहां पर इरफान का मीनू के घर पर आना-जाना था। दोनों साथ भी रहते थे। इरफान पहले से शादीशुदा था। हाल ही में उसने दूसरी शादी कर ली थी. उसने मीनू को धोखे में रखा कि वह उससे ही शादी करेगा। इसको लेकर मीनू परेशान रहती थी।

दूसरी शादी के बाद विवाद शुरू : मीनू और इरफान की दोस्ती करीब 20 साल पुरानी थी। तलाक के बाद मीनू अलग रह रही थी और इरफान के साथ उसका आना-जाना बढ़ गया। दोनों लिव-इन में रह रहे थे। लेकिन इरफान ने हाल ही में दूसरी शादी कर ली थी। इसी वजह से मीनू तनाव में थी और विवाद बढ़ गया था।

चुनावी शराब का खेल: नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस से तस्करी का भंडाफोड़

» सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी-आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई, तस्कर फरार

» 9 बोतल अंग्रेजी शराब और 96 पाउच जब्त, कीमत 18,520 आंकी गई

जीआरपी ने सेंट्रल स्टेशन पर चौकसी बढ़ा दी है। सोमवार रात चेकिंग अभियान के दौरान नई दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल से कामाख्या जंक्शन जा रही नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के कोच से अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद की गई।

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, शराब तस्करों की सक्रियता भी तेज़ हो गई है। चुनावी माहौल को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी ने सेंट्रल स्टेशन पर चौकसी बढ़ा दी है। सोमवार रात चेकिंग अभियान के दौरान नई दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल से कामाख्या जंक्शन जा रही नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के कोच से अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद की गई।

निरीक्षक एस.एन. पाटीदार ने बताया कि जीआरपी थाना प्रभारी ओम नारायण सिंह के साथ मिलकर स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म और ट्रेनों में लगातार गश्त की जा रही थी। इसी दौरान कोच बी 6, बर्थ संख्या 45 पर रखा संदिग्ध बैग मिला। सुरक्षा दल ने जब बैग की तलाशी ली तो उसमें से 9 बोतल अंग्रेजी शराब और 96 पाउच निकले। बरामद शराब की कुल कीमत करीब ?18,520 आंकी गई है।

हालांकि, जिस व्यक्ति का यह बैग था वह मौका मिलते ही भाग निकला। बरामद शराब को मंगलवार देर शाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन जीआरपी थाने को सुपुर्द कर दिया गया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि चुनाव से पहले बिहार में लगातार शराब की खेप भेजने के मामले सामने आ रहे हैं। इससे पहले भी सेंट्रल स्टेशन और गोविंदपुरी स्टेशन से अवैध शराब पकड़ी जा चुकी है और कई तस्करों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है।निरीक्षक पाटीदार ने कहा कि चुनावी सीज़न में रेलवे स्टेशन और ट्रेनों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। आरपीएफ उपनिरीक्षक एस.के. कटियार और अंजना सिंह समेत पूरी टीम गाड़ियों और स्टेशन परिसर में सघन जांच कर रही है। अभियान अब लगातार जारी रहेगा।

विश्व फोटोग्राफी दिवस पर 70 पौधे लगाए

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर कानपुर फोटोग्राफिक एसोसिएशन के सदस्यों ने सामाजिक उत्तरदायित्व का

परिचय देते हुए हर्षोल्लास से दिन को मनाया। इस अवसर पर दर्शन पुरवा सेंटर पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया,

जिसमें सदस्यों ने 70 पौधों का रोपण किया और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

कार्यक्रम

में फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के सचिव श्री सौरभ मिश्र ने संस्था की पहल की सराहना की।

उन्होंने सभी फोटोग्राफर्स को यह प्रतिज्ञा भी दिलाई कि प्रत्येक सदस्य विश्व फोटोग्राफी दिवस पर अपनी माता के नाम से एक वृक्ष लगाएगा।कार्यक्रम को सफल बनाने में विष्णु नारायण दीक्षित, संदीप, संजीव, आलोक, संतोष, वीरेंद्र, धीरज, दीपक, महेंद्र, गणेश सहित अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

कानपुर रेलवे सेंट्रल पर बिक रहे घटिया समोसे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। मानक के विपरीत तैयार किए गए समोसे खुलेआम बिक रहे हैं, लेकिन खानपान निरीक्षक की कार्रवाई सिर्फ़ दिखावे तक सीमित रह गई है।

खानपान निरीक्षक कार्रवाई के नाम पर कर रहे खानापूरी

बुधवार को चेकिंग के दौरान दो वेंडरों को पकड़कर सैकड़ों समोसे कूड़ेदान में फिंकवाए गए। सवाल यह है कि क्या केवल दो वेंडरों को पकड़ने से स्टेशन पर बिक रहे मिलावटी और घटिया क्वालिटी के समोसे बंद हो जाएंगे? असलियत यह है कि पूरे स्टेशन परिसर में दर्जनों जगह ऐसे समोसे बेचे जा रहे हैं, जिनकी क्वालिटी पर कोई निगरानी नहीं है।यात्रियों का आरोप है कि खानपान निरीक्षक की कार्रवाई महज़ खानापूर्ति है। अगर वास्तव में सख्ती की जाती तो हर वेंडर की जांच होती और मानक से बाहर पाए गए सभी समोसे जब्त कर सख्त कार्यवाही की जाती। लेकिन यहां तो दो वेंडरों पर दिखावटी कार्रवाई कर मामला रफा-दफा कर दिया गया।अब बड़ा सवाल यह है कि क्या खानपान निरीक्षक की लापरवाही और मिलीभगत के चलते यात्री ऐसे घटिया और असुरक्षित समोसे खाने को मजबूर रहेंगे?

खानपान निरीक्षक गौरव कुमार से जब इस बारे में बात की गई तो उन्होंने बताया कि ये समोसे मानक के अनुरूप नहीं थे, आलू ठीक से छिले नहीं थे और वेंडर वर्दी में भी नहीं थे, इसलिए समोसे कूड़ेदान में फिंकवाए गए।

विद्यालय के पूर्व छात्र इशांत जायसवाल का हुआ भव्य स्वागत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बी. एन. एस. डी. शिक्षा निकेतन विद्यालय में आज पूर्व छात्र इशांत जायसवाल का आगमन हुआ। इशांत ने वर्ष 2008 से 2015 तक इस विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने 2016 में विधि प्रवेश परीक्षा (सी.एल.ए.टी.) में 138वीं रैंक, वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा परीक्षा में 129वीं रैंक तथा वर्ष 2024 में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 441वीं रैंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की।इशांत जायसवाल ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माताजी एवं विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं को दिया। विद्यालय परिवार ने उनका स्वागत व अभिनंदन कर हर्ष व्यक्त किया।अपने उद्बोधन में इशांत ने छात्र-जीवन के संस्मरण साझा करते हुए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देकर उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर निर्माण के लिए दिशा-निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह, उप-प्रधानाचार्या मंजूबाला श्रीवास्तव, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रदेश में कहीं भी खाद की कमी नहीं

योगी सरकार ने दी मंडलवार उपलब्धता की जानकारी

» हर जनपद में खाद उपलब्धता की नियमित मॉनीटरिंग हो

» कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खरीफ सत्र के बीच किसानों को उर्वरक की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जनपद में खाद की उपलब्धता की नियमित मॉनीटरिंग की जाए और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई हो। सरकार ने बताया कि 1 अप्रैल से 18 अगस्त 2025 तक 42.64 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 36.76 लाख मीट्रिक टन खाद बिकी थी। यानी इस वर्ष किसानों को 5.88 लाख मीट्रिक टन अधिक खाद उपलब्ध कराई गई है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खाद का अनावश्यक भंडारण न करें। 'जब-जब आवश्यकता हो, तभी उतनी ही मात्रा में खाद लें। हर जिले में शिकायत प्रकोष्ठ सक्रिय हैं, किसान वहां अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं।'

औसतन 49 हजार मी. टन प्रतिदिन बिक्री

धान की टॉप ड्रेसिंग के दौरान वर्तमान में औसतन 49,564 मी. टन यूरिया प्रतिदिन किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 16.04 प्रतिशत यानी 4.37 लाख मी. टन अधिक यूरिया की बिक्री हुई है।

पिछले वर्ष से ज्यादा हुआ खाद वितरण

कृषि विभाग के मुताबिक इस वर्ष खाद वितरण में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है

- **यूरिया:** 27.25 लाख मी. टन (2024)-31.62 लाख मी. टन (2025)
- **डीएपी:** 5.28 लाख मी. टन (2024)-5.38 लाख मी. टन (2025)
- **एनपीके:** 2.07 लाख मी. टन (2024)-2.39 लाख मी. टन (2025)
- **एमओपी:** 0.25 लाख मी. टन (2024)-0.46 लाख मी. टन (2025)
- **एसएसपी:** 1.91 लाख मी. टन (2024)-2.79 लाख मी. टन (2025)

मंडलवार स्थिति (18 अगस्त तक)

- **यूरिया उपलब्धता :** 6.08 लाख मीट्रिक टन
- **डीएपी उपलब्धता :** 3.87 लाख मीट्रिक टन
- **एनपीके उपलब्धता :** 3.00 लाख मीट्रिक टन
- **सबसे अधिक यूरिया स्टॉक प्रयागराज (57,212 मी. टन), कानपुर (52,100 मी. टन) और वाराणसी (43,294 मी. टन) में उपलब्ध है।**

उपजिलाधिकारी पर रिश्वतखोरी का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया। जिला औरैया के सदर उपजिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह का एक वीडियो सामाजिक माध्यमों पर तेजी से फैल रहा है। वीडियो में वह अपने कार्यालय में कुर्सी पर आराम से बैठे सोते हुए दिख रहे हैं। इसी दौरान मंडी समिति सचिव उनके कमरे में आता है और मेज की दराज में चुपचाप एक लिफाफा रखकर चला जाता है। कुछ देर बाद उपजिलाधिकारी साहब दराज खोलते हैं, लिफाफा जेब में डालते हैं और दफ्तर से बाहर निकल जाते हैं।

वीडियो सामने आने के बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया। आरोप है कि यह 'लिफाफा संस्कृति' अफसरशाही में गहराई तक पैठ बना चुकी है। चौंकाने वाली बात यह रही कि उपजिलाधिकारी साहब इतनी 'सावधानी' से पेश आए कि लिफाफा सीधे हाथ में न लेकर पहले दराज से निकाला और फिर जेब में डालकर चलते बने।

तत्काल हटाए गए उपजिलाधिकारी : जिलाधिकारी इंद्रमणि त्रिपाठी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह को पद से हटाकर जिला मुख्यालय कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया है। उनकी जगह अजय आनंद वर्मा को नया उपजिलाधिकारी सदर औरैया बनाया गया है।

जाँच के आदेश, सवाल अब भी बाकी : अपर जिलाधिकारी को मामले की जांच सौंप दी गई है। हालांकि, सवाल यह है कि क्या यह जाँच सच सामने लाएगी या हमेशा की तरह मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

कार्यालय में नींद लेते एसडीएम।

वीडियो सामने आने के बाद आम लोग सवाल उठा रहे हैं : 'क्या यही प्रशासनिक जिम्मेदारी है कि अधिकारी दफ्तर में सोएं और लिफाफा उठाकर जेब में डाल लें?', 'किसानों और आम जनता की समस्याएँ सुनने के बजाय अफसर आराम फरमा रहे हैं, तो विकास कैसे होगा?'

कटाक्ष अखिलेश बनाम चुनाव आयोग-राउंड टू शुरू, 'कोई न कोई झूठ बोल रहा है या तो डीएम या फिर चुनाव आयोग'

डीएम के जवाब से चुनाव आयोग का झूठ खुल गया : अखिलेश यादव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर चुनाव आयोग और भाजपा सरकार पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 'डीएम के जवाब से चुनाव आयोग का झूठ खुल गया है। जनता पूछ रही है कि इतने सालों बाद अचानक डीएम सक्रिय क्यों हो गए?' अखिलेश ने कासगंज, बाराबंकी और जौनपुर के डीएम के हालिया बयानों को आधार बनाकर सवाल उठाया कि यदि चुनाव आयोग का दावा था कि 18,000 शपथपत्र नहीं मिले, तो फिर जिलाधिकारियों के सतही जवाब किस बात का सबूत हैं। उन्होंने कहा कि 'कोई न कोई झूठ बोल रहा है या तो डीएम या फिर चुनाव आयोग।'

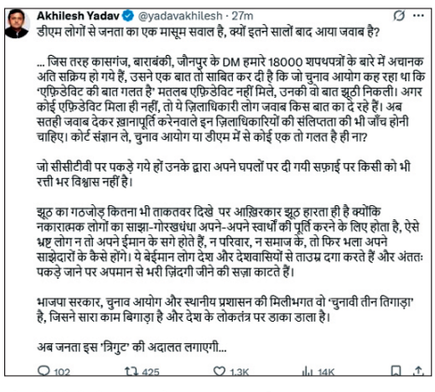

सीसीटीवी घपले और संदेह की लकीर : अखिलेश यादव ने सीसीटीवी में दर्ज गड़बड़ियों पर भी तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि इनकी सफाई पर भरोसा नहीं किया जा सकता। भ्रष्टाचार

» इनकी सफाई पर भरोसा नहीं किया जा सकता

» 'त्रिगुट' ने मिलकर लोकतंत्र पर डाका डाला

करने वाले चाहे कितने भी चालाक हों, आखिरकार पकड़े ही जाते हैं। अखिलेश ने भाजपा सरकार, चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन को 'त्रिगुट' करार देते हुए कहा कि तीनों ने मिलकर लोकतंत्र पर डाका डाला है। उनका कहना था कि अब जनता इनकी अदालत लगाएगी और असली फैसला करेगी।

सम्पादकीय

विकास व पर्यावरण संरक्षण में हो संतुलन

इसमें दो राय नहीं कि मानव जीवन की सुविधा के लिये बना प्लास्टिक आज हमारी धरती के लिये ही घातक साबित हो रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो प्लास्टिक हमारे ग्रह का दम घोंट रहा है। निस्संदेह, इसको नष्ट करना बेहद कठिन है क्योंकि धरती में दबाएं तो भूमि की उर्वरता पर संकट आता है। इसको जलाएं तो विषैली गैसों से वातावरण प्रदूषित होता है। ये जल्दी से गलता भी नहीं है। अब तो महानगरों व शहरों की जलनिकासी को प्लास्टिक गहरे तक बाधित कर रहा है। यहां तक कि प्लास्टिक के बारीक कण मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। प्लास्टिक समुद्र में जा रहा है तो मछलियों को जहरीला बना रहा है। नदी, पहाड़ और मैदान सब प्लास्टिक कचरे के आगोश में हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि भयावह संकट के बावजूद इससे निबटने के उपायों को लेकर वैश्विक सहमति नहीं बन पा रही है। वैश्विक प्लास्टिक संधि पर जिनेवा वार्ता विफल होने से इस बाबत वैश्विक विभाजन पूरी तरह उजागर हो गया है। दरअसल, लगभग सत्तर देशों का एक उच्च महत्वाकांक्षी समूह, जो प्लास्टिक पर वैश्विक सीमा और खतरनाक रसायनों पर नियंत्रण की मांग कर रहा है, अब तेल व पेट्रोकेमिकल उत्पादक एक समूह के खिलाफ खड़ा है, जो रीसाइक्लिंग, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं को दर्शा रहे हैं। इस समूह में भारत भी शामिल है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक होने का दर्जा दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि वैश्विक प्लास्टिक उत्सर्जन में लगभग बीस फीसदी हिस्सा भारत का है। भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि इस दौरान चरणबद्ध समाप्ति की समय सीमा वाले उत्पादों या रसायनों की कोई वैश्विक सूची नहीं होनी चाहिए। भारत की दलील तार्किक है कि विभिन्न देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियों और क्षमताओं पर उचित विचार किया जाना चाहिए। विडंबना यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पेट्रोकेमिकल क्षेत्र, माइक्रो प्लास्टिक प्रदूषण का भी एक प्रमुख स्रोत है।लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि इस तरह के प्रदूषण का पारिस्थितिकीय तंत्र, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर गहरा असर होता है। खासकर हमारे शरीर पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से यह एक हकीकत है कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन साधना एक टेढ़ी खीर है। लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में सार्थक प्रयास करने जरूरी हैं।

संख्या नियंत्रण के उपाय ही बेहतर समाधान

प्रदीप शर्मा

श्वान आदिकाल से इंसान संग बस्तियों में रहते आये हैं। लेकिन हाल ही में निराश्रित कुत्तों द्वारा लोगों को काटने की घटनाएं बढ़ना चिंताजनक है। ऐसे में गलियों में खुले जीने वाले इस जीव को आश्रय स्थल भेजने की मुहिम जारी है। डॉग शेल्टर की संख्या व सुविधाएं कम हैं। कुत्तों की संख्या नियंत्रण को बंध्याकरण जैसे उपाय अपनाने चाहिये।विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में कुत्ते के काटने से होने वाले रैबीज़ से मौत के 36 प्रतिशत मामले भारत में होते हैं। यह संख्या 18,000 से 20,000 तक है। रैबीज से होने वाली मौतों के 30 से 60 प्रतिशत मामलों में पीड़ित की उम्र 15 साल से कम होती है।

यह निर्विवाद है कि एक भी व्यक्ति की जान इस तरह जाए तो यह मानवता पर सवाल है और उसे बचाने के लिए सरकार और समाज को कड़े कदम उठाने चाहिए। वहीं डब्ल्यूएचओ की ही रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल शराब के सेवन से लगभग 2,60,000 से ज्यादा लोगों की मौत होती है। यह संख्या 2019 के आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें बताया गया कि शराब सेवन से सबसे ज्यादा प्रभावित 20-39 वर्ष की आयु के युवा हैं। इनमें शराब के सेवन के चलते लीवर, दिल, कैंसर व दुर्घटनाओं से जुड़ी मौतें शामिल होती हैं। भारत में हर साल तंबाकू और गुटखा सेवन के चलते बीमारियों से लगभग 13.5 लाख लोगों की मृत्यु होती है यानी औसतन प्रतिदिन 3,700 से अधिक मौतें।सवाल उठना लाजिमी है कि समाज के जो कथित जिम्मेदार लोग

कभी शराब और गुटखे पर पूरी पाबंदी के लिए कोर्ट तो क्या अपने मोहल्ले में खड़े नहीं हुए, उन्हें कुत्तों से अचानक इतनी नफरत क्यों हो गई। जबकि मनुष्य ने धरती पर पैदा होने के बाद सबसे पहले कुत्ता पालना शुरू किया था। बता दें कि नव पाषाण काल करीब 4000-2500 ईसा पूर्व के मानव कंकाल के साथ कुत्ता दफनाने के साक्ष्य बुर्जहोम, जम्मू-कश्मीर से प्राप्त हुए हैं। आदिकाल में कुत्ता इंसान को शिकार करने में मदद करता था, घर व फसल की रखवाली करता था। कम भोजन में भी वफादार बने रहने के उसके गुण ने आज कुत्ते को इंसान द्वारा पाला जाने वाला सबसे विश्वस्त और सर्वाधिक संख्या वाला जानवर बना दिया।'बैलों के गले में जब घुंघरू जीवन का राग...' यह गीत कोई बहुत पुराना नहीं। तब बैल घर की प्रतिष्ठा और दरवाजे पर बंधी गाय पवित्रता की प्रतीक होती थी। फिर धीरे से ट्रैक्टर आया, जब जमीन की जोत छोटी हो गई और ट्रैक्टर नाम का 'हाथी' दरवाजे बंध गया तो खेती घाटे का सौदा हुई। बैल लुप्त हुए और गाय निराश्रित, जिन लोगों ने गाय को दरवाजे से हटाकर गोशाला ले जाने को पावन कार्य बनाया, वही वर्ग अब सड़कों से कुत्ते हटाने के तर्क गढ़ रहा है।

समतामूलक समाज शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि

आर्थिक विसंगतियां

रमेश ठाकुर

देश में असमानता कम करने की दिशा में प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाए। ऐसा तंत्र तैयार किया जाए, जिसमें बेहतर स्वास्थ्य, अच्छी शिक्षा, यथोचित रोज़गार, न्याय तथा उन्नत-उत्कृष्ट तकनीक तक देश के प्रत्येक नागरिक की पहुंच संभव हो सके।

दशकों पूर्व हमारे क्रांतिवीरों ने स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में एक ऐसे भारत की संकल्पना की थी, जो विकसित एवं आत्मनिर्भर होने के साथ समतापरक भी हो। निस्संदेह, आत्मनिर्भरता व विकास के क्षेत्र में तो पिछले सात दशकों के दौरान देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वतंत्रता सेनानियों का स्वप्न साकार करता भारत शीघ्र

ऑक्सफैम इंटरनेशनल की रिपोर्ट 'सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट - द इंडिया स्टोरी' के अनुसार, भारत विश्व के सर्वाधिक असमान देशों में से एक है। भारत के 119 अरबपतियों की संपत्ति विगत दशक में लगभग दस गुना बढ़ गई, जबकि निर्धन उचित पारिश्रमिक पाने के लिए संघर्षरत हैं। रिपोर्ट के तहत, भारतवर्ष की कुल संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा, क़रीब 11.6 लाख करोड़ डॉलर शीर्ष 1 प्रतिशत अमीरों के पास है।'क्रेडिट सुइस वेल्थ रिपोर्ट' तथा फोर्ब्स इंडिया के नवीनतम विश्लेषण पिछले एक दशक के दौरान भारतीय अरबपतियों की संख्या में 300 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होने का खुलासा करते हैं, जबकि 50 प्रतिशत जनता की वास्तविक आय या तो स्थिर रही अथवा घट गई।

इसी प्रकार, 'ग्लोबल इनइक्वैलिटी रिपोर्ट' के मुताबिक़, भारत में शीर्ष 10 प्रतिशत लोग देश की कुल आय का लगभग 57 फ़ीसदी भाग प्राप्त करते हैं, जबकि निचले 50 प्रतिशत के हिस्से मात्र 13 प्रतिशत आय आती है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी में कमी आने के बावजूद धन-आय असमानता एक विचारणीय मुद्दा बना हुआ है। ग्रामीण अंचलों में बसे लोगों की औसत मासिक आय शहरी क्षेत्रों की तुलना में काफी कम है। महिलाओं को पुरुषों से कम मजदूरी मिलती है, कार्यबल में भी उन्हें कम प्रतिनिधित्व दिया जाता है। स्पष्ट शब्दों में, देश की आर्थिक विकास दर तीव्र होने के बावजूद लाभार्थियों की परिधि सिमट रही है।वर्ष 1991 में आरम्भ हुए आर्थिक सुधारों ने निजी पूंजी, कॉर्पोरेट घरानों और वैश्विक निवेश को खुला मंच दिया किंतु इसका प्रत्यक्ष लाभ उच्च तकनीकी, पूंजी तथा शिक्षा से संबद्ध वर्ग को मिला, श्रमिक अथवा ग्रामीण वर्ग इससे अछूता ही रहा। पिछले एक दशक के दौरान बीएसई-सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल आने से अमीरों की संपत्ति तेज़ी से बढ़ी। 50 प्रतिशत से अधिक आबादी जो आय श्रम, कृषि तथा असंगठित क्षेत्र से आती है, के संदर्भ में वेतनवृद्धि लगभग नगण्य रही। वर्ष 2019 में सरकार द्वारा कॉर्पोरेट टैक्स 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत किए जाने पर अरबपति ही लाभान्वित हो पाए।

होटल लैंडमार्क में कर्मचारी की बिजली करंट लगने से मौत

- कैंट के गोलाघाट का निवासी सुमित बताया जा रहा
- परिजनों ने किया हंगामा
- होटल लैंडमार्क के कर्मचारियों ने मौके पर
- उर्सला अस्पताल ले गए,
- जहां युवक को डाक्टरों ने मृतक बताया,,
- मृतक सुमित कि रात 11 बजे से ड्यूटी पर आ था,,
- कोतवाली पुलिस में बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

कर्मचारी होटल लैंडमार्क के किचन पर करता था हेल्परी का कार्य

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कोतवाली क्षेत्र में स्थित नामचीन होटल में फीजर में उतरे करंट की चपेट में आकर छावनी के गोला घाट निवासी विजय कुमार के बेटे सुमित (22) की मौत हो गई। वह होटल में पिछले दो महीने से काम कर रहा था। परिजनों के मुताबिक मंगलवार देर रात हुई घटना के बाद बुधवार तड़के चार बजे उन लोगों को सूचना दी गई। इसके बाद वे लोग मौके पर पहुंचे और युवक को उर्सला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मां रानी ने होटल के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा काटा। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे होटल के अधिकारी आक्रोशित परिजनों ने समझाने में जुटे हैं।

नातिन का जन्मदिन बुजुर्गों के संग मनाकर दिया मानवता का संदेश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर ।समाजसेविका कंचन मिश्रा ने अपनी नातिन प्रकृति (परी) का पहला जन्मदिन रानियां स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मनाया। इस अवसर पर 125 वृद्धजन और आश्रम के कर्मचारियों ने परी को आशीर्वाद दिया ।कार्यक्रम में फल व पैकेटबंद खाद्य सामग्री वितरित की गई तथा परी के हाथों आम और बेल का पौधा रोपित कराया गया। पौधरोपण का संदेश देते हुए कंचन मिश्रा ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जन्मदिन पर एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

बारिश से थमा पनकी पावर प्लांट, लाइटअप के बाद फिर गूंजने लगी टर्बाइन

350 मेगावाट बिजली उत्पादन शुरू

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बरसात ने जहां शहरवासियों को राहत दी, वहीं बिजली उत्पादन में बड़ी बाधा भी खड़ी कर दी। पनकी पावर प्लांट, जिसका भव्य उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 मई को किया था, बरसात के चलते ठप पड़ गया था। बारिश से मशीनों को नुकसान न हो, इसके मद्देनज़र अधिकारियों ने एहतियातन उत्पादन रोक दिया था। लेकिन अब मौसम खुलने के साथ ही रविवार से लाइटअप प्रक्रिया पूरी कर 350 मेगावाट बिजली का उत्पादन फिर से शुरू हो गया है।

उद्घाटन के बाद मिला 666 मेगावाट का रिकॉर्ड - पनकी पावर प्लांट 6,700 करोड़ की लागत से बना है। 21 फरवरी को ट्रायल के दौरान 660 मेगावाट उत्पादन शुरू किया गया। खास बात यह रही कि 72 घंटे के बजाय 87 घंटे तक चले ट्रायल में 666 मेगावाट का औसत भार हासिल किया गया और 580 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ।

रिपोर्ट राज्य और केंद्र को भेजने के बाद 30 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया था।

बरसात बनी बड़ी बाधा - जून में प्लांट अपनी पूरी क्षमता से चल रहा था। लेकिन जैसे ही बरसात का मौसम शुरू हुआ, भारी बारिश से मशीनरी को नुकसान का खतरा बढ़ गया। इंजीनियरों और अधिकारियों ने जोखिम न उठाते हुए उत्पादन रोक दिया। अब बारिश थमने और मौसम सामान्य होने के बाद रविवार से लाइटअप किया गया और बिजली उत्पादन की प्रक्रिया फिर शुरू हुई।

सुपर क्रिटिकल तकनीक से होगा फायदा - मुख्य महाप्रबंधक विजय बहादुर ने बताया कि पनकी पावर प्लांट में सुपर क्रिटिकल तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। यह तकनीक पुरानी सबक्रिटिकल तकनीक से ज्यादा सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल है। इसमें कम ईंधन की खपत होती है, ग्रीनहाउस गैस और राख का उत्सर्जन बेहद कम होता है।

जन्माष्टमी पर राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकियों का भव्य आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। संचेडी स्थित राधा कृष्ण मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़ी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर प्रांगण में महंत घनश्याम दास महाराज के सान्निध्य में भव्य झांकियों का आयोजन हुआ, जिसमें कलाकारों ने राधा-कृष्ण की मनोहारी झलकियां प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

ग्राम इमामपुर मौजा, थाना सचेंडी क्षेत्र में स्थित यह मंदिर धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र माना जाता है। जन्माष्टमी पर आयोजित विशाल झांकियों व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मध्यरात्रि कृष्ण जन्मोत्सव के उपरांत भजन-कीर्तन और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देर रात तक चलती रहीं।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी बलराम सिंह यादव ने कहा कि 卐राधा कृष्ण मंदिर की भव्यता का जितना वर्णन किया जाए, वह कम है। इसकी विशेषता यह है कि सभी ग्रामवासी तन-मन-धन से सहयोग करते हैं। समाज में जाति-पाति से ऊपर उठकर सभी धर्मस्थलों और कार्यक्रमों में सहभागिता करना ही मानवता है। भाईचारा और आपसी सहयोग ही सबसे बड़ा धर्म है।卐

हर वर्ष की तरह इस बार भी जन्माष्टमी महोत्सव में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। ग्रामवासियों ने उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और देर रात तक कार्यक्रमों का आनंद उठाया।

इस अवसर पर सूरज गौतम, पूर्व प्रधान शिवलाल यादव, लखन यादव, बजरंगी, शुभम राठौड़, मानसिंह यादव, प्रदीप पाल, बलबीर मास्टर, मोहन, कमल रंजन पासी, राम सिंह एडवोकेट समेत बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

चोरों ने ट्रांसफार्मर गिराया, ग्रामीणों ने दौड़ाया तो बाइक- मोबाइल छोड़कर भागे

- **मुख्य लाइन की केबिल काटकर ट्रांसफार्मर पोल से गिराया, ग्रामीणों में दहशत**
- **वारदात के दौरान छोड़ी गई दो बाइक और मोबाइल से पुलिस जुटी सुराग तलाशने में**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बिधनू क्षेत्र में बिजली चोरी और ट्रांसफार्मर निशाने पर लेने की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला उरियारा न्यू इंद्रानगर सोसाइटी का है, जहां मंगलवार देर रात बाइक सवार चार चोरों ने दो ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाया। चोरों ने पहले मुख्य लाइन की केबिल काटी और सौ केवीए का एक ट्रांसफार्मर नीचे गिरा दिया।

जैसे ही ट्रांसफार्मर गिरा, तेज

धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग नींद से जाग गए। कुछ ही देर में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और शोर मचाकर चोरों को दौड़ा लिया। हड़बड़ी में चोर खेतों की ओर भाग निकले और मौके पर अपनी दो मोटरसाइकिलें और एक मोबाइल फोन छोड़ गए।

ग्राम प्रधान वीर सिंह ने बताया कि कुछ समय पहले भी उरियारा गांव से चोर ट्रांसफार्मर चुराकर ले गए थे। ग्रामीणों को आशंका है कि यह वारदात उसी गिरोह की करतूत हो सकती है। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत है और लोग अब रात में चौकसी करने को मजबूर हैं।बुधवार सुबह खेतों में पानी भरे धान के खेत से एक मोबाइल बरामद हुआ। ग्राम प्रधान ने बरामद दो बाइक और मोबाइल पुलिस को सौंपते हुए तहरीर दी। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बाइक नंबर और मोबाइल डिटेल के आधार पर चोरों की पहचान की जा रही है। जल्द ही गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दो साल पहले सोसाइटी में विद्युतीकरण के लिए 100 केवीए के दो ट्रांसफार्मर लगाए गए थे। लगातार चोरी की वारदातों से बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है। विभाग ने भी घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए रात में निगरानी बढ़ाने की बात कही है।

कटरी के दुर्गापुरवा में घुसा बाढ़ का पानी, बीघों फसल बर्बाद

» सब्जी व अमरूद की खेती जलमग्न, किसानों पर टूटा संकट

» गांव तक पहुंची नावें, मंदिर के सामने भी दो फीट तक पानी

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। बिठूर क्षेत्र में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से कटरी के दुर्गापुरवा गांव तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है।

इससे गांव और खेत पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं।

लगभग एक हजार बीघा खेतों में सब्जी और अमरूद की फसल पूरी तरह खराब हो चुकी है। ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी पर भी असर पड़ा है।

गांव में स्थित पूर्णागिरी देवी मंदिर के सामने भी दो फीट तक पानी भर गया है। इससे ग्रामीणों को पूजा-पाठ और आवागमन

दोनों में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। हालात बिगड़ने पर प्रशासन ने बाढ़ पीड़ितों की आवाजाही के लिए आठ नावें लगाई हैं, ताकि लोगों को राहत मिल सके और जरूरी सामान पहुंचाया जा सके।

कटरी क्षेत्र में सब्जी और अमरूद की खेती कर रहे सैकड़ों किसान सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। खेतों में जलभराव से फसलें पूरी तरह चौपट हो चुकी हैं।

सब बर्बाद हो गई है। किसानों का कहना है कि फसल डूबने से उनके सामने अब भुखमरी की नौबत आ जाएगी।तहसीलदार विनय कुमार द्विवेदी, लेखपाल प्रतीक शुक्ला और ग्राम प्रधान दिनेश निषाद ने गांव का निरीक्षण किया। अधिकारियों का कहना है कि प्रभावित किसानों और ग्रामीणों को हर संभव मदद दी जाएगी।

श्यामलाल निषाद की दो बीघा भिंडी,
जगन्नाथ निषाद की डेढ़ बीघा सब्जी,
गंगाराम निषाद की दो बीघा लौकी-कद्दू,
खग्गा निषाद की तीन बीघा,
कन्हैया निषाद की डेढ़ बीघा,
सोनी निषाद की पांच बीघा भिंडी-तरोई,
राजेश निषाद की दो बीघा लौकी, कद्दू और तरोई

रसूलाबाद में बेखौफ चोरों का आतंक, 75 हजार नगदी व जेवरात लेकर फरार

» परिवार के सोते वक्त पीछे से घर में घुसे चोर, लाखों का सामान पार

» ग्रामीणों में बढ़ा खौफ, पुलिस ने जांच शुरू की लेकिन संदेह बरकरार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के सिठऊताना के मजरा पम्मापुरवा गांव में चोरों ने मंगलवार रात एक बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया।

चोर घर के पीछे से घुसकर अलमारी व बक्से खंगाल ले गए और करीब 75 हजार रुपए नकद, सोने का हार, एक चेन और दो अंगूठियां चोरी कर ले गए। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

गृहस्वामी अशोक यादव ने बताया कि रात में परिवार के कुछ सदस्य छत पर तो कुछ घर के बाहर सो रहे थे। इस दौरान चोर घर के पीछे बने कच्चे रास्ते से अंदर दाखिल हुए और नकदी व जेवर पर हाथ साफ कर दिया। सुबह जब परिवार जागा तो अलमारी खुली देख सभी के होश उड़ गए।घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण एकत्र हो गए और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने लगे। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में पुलिस गश्त नाम मात्र की है, जिसके चलते आए दिन चोरी की घटनाएं हो रही हैं। बीते कुछ महीनों में आसपास के गांवों में भी कई चोरी की वारदातें हो चुकी हैं लेकिन चोरों का अभी तक सुराग नहीं लग पाया है।

सूचना पर रसूलाबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।

फिर भी, शिकायत के आधार पर जांच

शुरू कर दी गई है और आसपास के गांवों में भी पूछताछ की जा रही है। चोरी गए सामान और पैसों की बरामदगी के लिए टीम गठित की गई है।

ग्राम प्रधान सहित ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि गांव में रात्रि गश्त बढ़ाई जाए और सक्रिय चोर गिरोह पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

रिश्तों का खात्मा

कलयुगी बेटे की हैवानियत

पैसों के लिए मां की पीट-पीटकर हत्या

» जुए-शराब का आदी बेटा, पैसों की मांग पूरी न होने पर उतारा मां को मौत के घाट

» फॉरेन्सिक टीम ने जुटाए सबूत, पुलिस ने फरार आरोपी की तलाश तेज की

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र के अम्बेडकर नगर में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। जहां एक बेटे ने अपने ही हाथों मां को मौत के घाट उतार दिया। वजह सिर्फ इतनी थी कि मां ने उसे नशे और जुए के लिए पैसे देने से मना कर दिया।

मृतका फरजाना (65) के चार बेटे हैं नासिर, अय्यूब, कय्यूम और यूनुस। इनमें से अय्यूब का आपराधिक इतिहास रहा है। हत्या और लूट के मामले में उसे दस साल की सजा हुई थी, लेकिन पिछले तीन साल से वह जमानत पर घर पर रह रहा था। बताया जा रहा है कि वह नशे और जुए का आदी है और अक्सर मां से पैसों की मांग करता था।

मृतक महिला की फाइल फोटो

हत्यारे पुत्र की फाइल फोटो

सोमवार शाम करीब चार बजे उसने फिर पैसे मांगे। जब मां ने इनकार किया तो गुस्से में आकर उसने लकड़ी की फंटी से मां पर ताबड़तोड़ वार किए। गंभीर चोट लगने से फरजाना की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी घर से भाग निकला।

घटना के समय घर पर मौजूद मृतका की बेटी रुकसाना ने बताया, अय्यूब अक्सर मां से पैसे मांगता था। न देने पर गाली-गलौज और मारपीट करता था। आज उसने हद पार कर दी और मां की जान ले ली।

पड़ोसियों के मुताबिक, आरोपी की हरकतों से लोग पहले से परेशान थे और कई बार विवाद की आवाजें घर से आती थीं।

घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी प्रिया सिंह, थाना प्रभारी महेश और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फॉरेन्सिक टीम ने मौके से खून से सनी लकड़ी, कपड़े और अन्य साक्ष्य इकट्ठा किए। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

दिनदहाड़े हुई इस वारदात से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने इसे रिश्तों को कलंकित करने वाली घटना बताया। उनका कहना है कि बेटा ही जब मां का हत्यारा बन जाए तो इंसानियत पर से भरोसा उठने लगता है।पुलिस ने मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी की तलाश जारी है।

न्याय पंचायत गुरुगांव की संकुल बैठक अकोढी में सम्पन्न

» शिक्षकों ने साझा किए अनुभव, शिक्षा पद्धति में सुधार पर हुई चर्चा

» डिकोडिंग खेल, गणितीय समझ और नेटवर्किंग गतिविधियों पर दिया गया जोर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के उच्च प्राथमिक विद्यालय अकोढी में मंगलवार को न्याय पंचायत गुरुगांव की मासिक संकुल शिक्षक बैठक आयोजित हुई। यह बैठक महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक लखनऊ के निर्देशानुसार प्रत्येक माह होती है। बैठक की शुरुआत मां शारदे की वंदना से हुई। संकुल धर्मेन्द्र सैनी ने एक सीख एक बदलाव गतिविधि पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपनी खास शिक्षण पद्धति को साझा करें और इसे बच्चों तक पहुँचाएं, ताकि आपसी समझ और सीखने की क्षमता बढ़े।

संकुल वर्षा गुप्ता ने डिकोडिंग खेल गतिविधियों के महत्व को समझाते हुए बताया कि कक्षा शिक्षण में इनका उपयोग बच्चों को अधिक सक्रिय और उत्साही बनाता है। वहीं, संकुल शैलेन्द्र कुमार कटियार ने गणितीय संख्या समझ पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों से क्या, क्यों और कैसे जैसे सवाल पूछने से उनकी समस्या-समाधान क्षमता बढ़ती है। नोडल शिक्षक रजनीश सक्सेना ने शिक्षकों से अपील की कि सभी आवश्यक सूचनाओं को गंभीरता से लें और अपने विद्यालय को निपुण भारत लक्ष्य के अनुरूप बनाने में सक्रिय योगदान दें। बैठक का संचालन शिक्षा मित्र संघ के जिला अध्यक्ष महेन्द्र पाल ने किया।

बैठक में गीता देवी, अमर सिंह, संजय द्विवेदी, ऋचा सचान, महिमा दोहरे, ज्योति यादव, रंजना सचान, प्रिया कटियार, दीपिका पाल, दिशा सचान, कल्पना मिश्रा, पूजा गुप्ता, बबिता शर्मा सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कानपुर देहात में खाद की कालाबाजारी, किसान बेहाल

» सरकारी गोदामों पर घंटों लाइन, फिर भी खाली हाथ लौट रहे किसान

» वीडियो वायरल, ओमनी और ई-रिक्शा से ले जाई जा रही थी खाद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। तहसील क्षेत्र में इन दिनों खाद की किल्लत और कालाबाजारी ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सरकारी गोदामों और सहकारी समितियों पर किसानों को घंटों धूप में लाइन लगानी पड़ रही है, फिर भी अधिकांश को खाद नहीं मिल पा रही। धान की फसल के लिए जरूरी खाद न मिलने से किसान बेहद परेशान हैं। इसी बीच रसूलाबाद तहसील के सिसाही समिति का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देर रात ओमनी वैन और ई-रिक्शा में खाद की बोरियां लादकर ले जाते हुए देखा जा सकता है। किसानों ने मौके पर ही दोनों वाहनों को पकड़ लिया और हंगामा शुरू कर दिया। किसानों का आरोप है कि खाद की खेप अन्य जिलों में भेजी जा रही थी, जिससे स्थानीय किसानों को भारी दिक्कत हो रही है।सूचना मिलते ही एसडीएम रसूलाबाद सर्वेश सिंह, जिला कृषि अधिकारी उमेश गुप्ता और कोतवाल हरमीत सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में भारी अनियमितताएं पाई गईं। पीसीओ मशीन से मिलान कराने पर 88 बोरी खाद कम पाई गई। इस मामले में समिति सचिव रमेश चंद्र यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया है कि किसी भी हाल में खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या के मेडिकल कॉलेज में मौत की ओर दौड़ी छात्रा!

» मां की पुकार और स्टाफ की सतर्कता से बची जान, बड़ा हादसा टलते-टलते बच गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।सोमवार को अयोध्या मेडिकल कॉलेज परिसर उस समय दहल उठा जब एमबीबीएस की एक छात्रा अचानक परीक्षा के दौरान सीट से उठी और खिड़की की ओर दौड़ पड़ी।

पल भर में छात्रा ने छलांग लगाने की कोशिश की, लेकिन मां की चीख और कॉलेज स्टाफ की फुर्ती ने उसे मौत के मुंह से खींच निकाला।2024 बैच की टर्मिनल परीक्षा चल रही थी। फिज़ियोलॉजी विभाग में प्रैक्टिकल के बीच छात्रा अचानक उठी। बिना कुछ बोले खिड़की की ओर भागी और छलांग लगाने ही वाली थी कि मां और सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया।

पहले भी कर चुकी थी कोशिश

कॉलेज प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा ने बताया कि छात्रा पहले भी आत्महत्या की कोशिश कर चुकी है। यही वजह थी कि इस बार उसे विशेष अनुमति देकर मां को परीक्षा कक्ष में साथ बैठने दिया गया था।

डॉ. वर्मा के मुताबिक – समय रहते सतर्कता बरतने से उसकी जान बच सकी। फिलहाल छात्रा सामान्य है और उसका इलाज चल रहा है।

छात्रा को मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. कुंवर वैभव की देखरेख में रखा गया है। भविष्य में ऐसे मामलों को रोकने के लिए प्रशासन ने काउंसलिंग व्यवस्था शुरू करने का निर्णय लिया। मानसिक तनाव से जूझ रहे छात्रों की पहचान कर उन्हें अलग से सहयोग दिया जाएगा।घटना के बाद मेडिकल कॉलेज परिसर में अफरा-तफरी मच गई। छात्र-छात्राएं सकते में हैं कि पढ़ाई और परीक्षा का तनाव जानलेवा भी हो सकता है।

अब सवाल उठता है

-क्या मेडिकल छात्रों पर एग्ज़ाम प्रेशर अब मानसिक बीमारी का रूप ले चुका है?

-क्या काउंसलिंग और निगरानी पर्याप्त होगी या ज़रूरत है पूरे सिस्टम की सर्जरी की?

यह घटना सिर्फ एक छात्रा की कहानी नहीं, बल्कि उस पूरे दबाव और दमघोंटू माहौल का आईना है जिसमें भविष्य गढ़ने वाले युवा डॉक्टर खुद को बचाने के लिए खिड़कियों की ओर भाग रहे हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सभासद का फूटा गुस्सा

पानी की टंकी पर चढ़ कर प्रशासन को दी खुली चुनौती!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सुबेहा (बाराबंकी)। नगर पंचायत सुबेहा में वर्षों से जारी भ्रष्टाचार और जनता की अनसुनी होती समस्याओं के खिलाफ आज उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सभासद विशाल ने पानी की टंकी पर चढ़कर सीधे प्रशासन को ललकार दिया।सभासद का आरोप है कि नगर पंचायत कार्यालय में बीते 15 वर्षों से जमे बाबू सती श्रीवास्तव भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, जिसकी शिकायत वह पहले भी जिला प्रशासन तक कर चुके थे। पर कार्रवाई न होने पर आखिरकार उन्होंने यह आंदोलनात्मक कदम उठाया।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और तहसील प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। लगातार समझाने के बाद भी सभासद टंकी से नहीं उतरे और कार्रवाई की लिखित गारंटी पर अड़े रहे।काफी जद्दोजहद के बाद जब बाबू सती श्रीवास्तव को सस्पेंड करने का आदेश मौके पर सौंपा गया, तभी जाकर सभासद टंकी से नीचे उतरे।जनता में इस कदम की जमकर चर्चा हो रही है – कुछ इसे जनहित की जीत बता रहे हैं, तो कुछ प्रशासन की लाचारी पर सवाल उठा रहे हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद झींझक, जनपद कानपुर देहात

पत्र सं0 88/एन.पी.पी.जे. / राज्य वित्त आयोग/निविदा/2025-26

निविदा सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि स्वायत निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार / केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में सक्षम श्रेणी में कार्य की लागत की सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाता से पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से नगर पालिका परिषद झींझक में राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से प्रतिशत दर के आधार पर निम्नांकित कार्यों हेतु सीलबन्द निविदायें निम्नलिखित शों/प्रतिबन्धों के अधीन दिनांक 19-08-25 से दिनांक 08.09.25 तक समय अपरान्ह 02:00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद झींझक में आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदायें उसी दिवस अपरान्ह 03:00 बजे अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष नगर पालिका परिषद झींझक कार्यालय में खोली जायेगी। निविदायें निर्धारित मूल्य पर निविदायें डालने की निर्धारित तिथि से एक दिन पूर्व कार्यालय समय में कार्यालय नगर पालिका परिषद झींझक से क्रय की जा सकती है। निविदा के साथ।0न धरोहर धनराशि एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0, नकद की जमा रसीद, जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद झींझक के नाम बन्धक हो, जमा करना अनिवार्य है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्य के लिए निविदा दे सकता है। सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी। किसी एक निदिदा अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित है। प्रत्येक निविदा को निविदा प्रपत्र के साथ आयकर, जी0एस0टी0, हैसियत व चरित्र प्रमाण पत्र सहित अन्य प्रपत्रों को संलग्न किया जाना अनिवार्य है। निविदा के साथ निर्धारित कीमत के स्टाम्प पर निर्धारित शर्तों के साथ इकरारनामा दाखिल करना अनिवार्य है। अन्य जानकारी नियम व शर्तें तथा विस्तृत विवरण कार्यालय नगर पालिका परिषद झींझक में कार्य दिवस में देखी जा सकती है। जो सभी निविदादाताओं को मान्य होगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	आगणन धनराशि (रु. लाख में) 10 प्रतिo	10 प्रतिo अर्नेस्टमनी	निविदा शुल्क जीएसटी सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
	एच.डी.एफ.सी. बैंक से नीमझाल पुलिया तक आरसीसी कवर्ड नाला निर्माण कार्य	6.72	67200.00	795.00	1 माह
2	स्वागत द्वार का निर्माण कार्य	8.98	89800.00	1060.00	1 माह
3	वार्ड-3 श्रीनगर में रूरा रोड स्थित मोक्षधाम में छत की मरम्मत का कार्य	6.90	69000.00	815.00	1 माह

निविदा/कोटेशन की नियम व शर्त

1. सशर्त निविदायें/कोटेशन मान्य नहीं होगीं, स्वतः ही निरस्त समझी जायेगी।
2. निर्धारित समय के पश्चात प्राप्त किसी भी निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
3. निकाय द्वारा पंजीयन प्रमाण पत्र एवं जी0एस0टी0, पैनकार्ड, हैसीयत, चरित्र प्रमाण आदि सम्बन्धित फर्म/संस्था/कम्पनी/सरकारी समिति के नाम अथवा प्रोपराईटर के नाम, दिये गये फारमेट पर नान-ब्लैक लिस्टिंग शपथ पत्र, नगर पालिका परिषद झींझक में पंजीयन प्रमाण पत्र की स्व: प्रमाणित प्रति जमा करनी होगी।
4. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त ठेकेदार को समय-समय पर शासन द्वारा निर्धारित धनराशि के स्टाम्प पेपर पर अपने व्यय पर अनुबन्ध निष्पादित करना अनिवार्य होगा।
5. कार्य को विभागीय निर्देशों के अनुसार निर्धारित समयावधि में पूर्ण करना अनिवार्य है निर्धारित अवधि के अन्तर्गत कार्य पूर्ण न करने की स्थिति में नियमानुसार अर्थदण्ड विभाग द्वारा अधिरोपित किया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद झींझक
कानपुर देहात

अमित तिवारी- अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद झींझक
कानपुर देहात

रामनगरी अयोध्या में टैक्स का महाघोटाला

» कपड़ों की आड़ में लोहे का खेल!, 35.75 करोड़ का फर्जी कारोबार

» कपड़े की फर्म से लोहे की सलाखें गढ़ी गईं, और कर विभाग के ताले चुपचाप बजते रहे, सवाल ये कि 6.43 करोड़ का लुटेरा कौन बचा रहा है?

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी, जहां एक तरफ रामलला के मंदिर का दीपक जल रहा है, वहीं दूसरी तरफ कर चोरी का अंधेरा फैल रहा है।

राहुल इंटरप्राइजेज नाम की फर्म 20 अक्टूबर 2024 को रिकाबगंज बल्लाहाता में पंजीकृत हुई। काम रेडीमेड कपड़ों का, पर कारोबार निकला लोहे का और वो भी सिर्फ कागज़ों पर। जांच में सामने आया कि दिसंबर 2024 से मार्च 2025 तक फर्म ने 35.75 करोड़ का कारोबार दिखा दिया। असल में दुकान थी ही नहीं। जिस जगह पंजीकरण दिखाया गया, उसके मालिक ने साफ कह दिया दुकान कभी किराये पर नहीं दी। यानी पूरा सेटअप बोगस और फर्जीवाड़े का मास्टरपीस।

» 6.43 करोड़ का आईटीसी घोटाला, एसएसपी के दरवाज़े पर अटका मुकदमा

फर्म संचालक राहुल विश्वकर्मा (निवासी प्रयागराज) ने कूटरचित दस्तावेज़ों के सहारे पंजीकरण कराया और फर्जी सप्लाई दिखाकर 6.43 करोड़ रुपए का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) क्लेम कर लिया।

उसने आरआर इंटरप्राइजेज (11.12 करोड़), महादेव स्टील (24.45 करोड़) और आरके इंटरनेशनल (6.65 करोड़) के साथ काल्पनिक लेन–देन दिखाए।

जहां रामलला की नगरी दुनिया को ईमानदारी का संदेश देती है, वहीं कर चोरी का जाल करोड़ों रुपए निगल रहा है।राहुल इंटरप्राइजेज सिर्फ एक फर्म नहीं, बल्कि सिस्टम की खामोशी और मिलीभगत का चेहरा है।

जब कपड़े की दुकान से करोड़ों का लोहा निकले, तो समझ लीजिए सिस्टम का आईना भी जाली है।

मुकदमा अटका क्यों?

स्टेट जीएसटी टीम ने एसएसपी अयोध्या को 27 जून को तहरीर दी। लेकिन आज तक मुकदमा दर्ज नहीं!प्रशासन कहता है जल्द होगा।卐 यानी घोटालेबाज़ करोड़ों हजम कर चुका है और कानून प्रक्रिया पूरी होने की झपकी ले रहा है।

जनता के कई सवाल

-6.43 करोड़ का आईटीसी घोटाला और अब तक केस दर्ज नहीं - क्यों?

-कर विभाग की रिपोर्टें फाइलों में दम तोड़ रही हैं या कहीं और सौदेबाज़ी चल रही है?

-पुलिस की चुप्पी और विभाग की सफाई - क्या यह सिस्टम की मूक सहमति है?

किसानों पर लाठीचार्ज का वायरल वीडियो भ्रामक: डीएम अयोध्या

» डीएम ने कहा कि अफवाह से बचें किसान

» वायरल वीडियो सोमवार की है, किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन कटिबद्ध

» जिले में 43 हजार मीट्रिक टन खाद का वितरण

» सितम्बर तक पिछले वर्ष का आंकड़ा भी पार करेगा खाद वितरण

» टोकन व्यवस्था से किसानों को बिना भीड़भाड़ मिल रही

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। किसानों पर लाठीचार्ज का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जिले के जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने स्थिति स्पष्ट करते हुए इसे पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो सोमवार का है और इसमें कहीं भी लाठीचार्ज जैसी स्थिति नहीं है। दरअसल, अधिक भीड़ के चलते पीछे खड़े कुछ लोग लाइन तोड़कर आगे जाने की कोशिश कर रहे थे, ऐसे में पुलिस ने केवल अनुशासन बनाए रखने के लिए हल्की सख्ती दिखाई थी। उन्होंने कहा कि जिले में हालात पूरी तरह सामान्य रहे और किसानों को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं हुई।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि योगी आदित्यनाथ सरकार किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद और उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस वर्ष अब तक जनपद अयोध्या में 43 हजार मीट्रिक टन खाद का वितरण किया जा चुका है, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। उनका कहना है कि सितम्बर माह के अंत तक वितरण का आंकड़ा पिछले वर्ष के रिकार्ड से भी आगे निकल जाएगा।उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने किसानों की सहूलियत के लिए सहकारी समितियों व निजी विक्रय केंद्रों पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया है। इसके साथ ही किसानों को लाइन में अव्यवस्था से बचाने के लिए टोकन प्रणाली लागू की गई है। टोकन के आधार पर ही खाद वितरण किया जाता है, जिससे किसी भी किसान को अतिरिक्त इंतजार न करना पड़े। साथ ही वितरण केंद्रों पर पर्याप्त कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है।जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार किसानों की हर जरूरत को प्राथमिकता पर रखकर काम कर रही है। चाहे खाद वितरण हो, बिजली आपूर्ति या सिंचाई की व्यवस्था— सरकार का लक्ष्य है कि किसान को समय पर हर सुविधा मिले।उन्होंने किसानों से अपील की कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें ।

कागज फेंके, फिर हाथ पकड़कर खींचा...

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता पर हमले का आरोपी हिरासत में

पुलिस कर रही पूछताछ, खुलेगा राज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आज एक बड़ी घटना सामने आई है। मुख्यमंत्री कार्यालय पर जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने सीएम रेखा गुप्ता पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं आरोपी ने सीएम रेखा गुप्ता का हाथ पकड़कर भी खींचा और उनके साथ धक्का-मुक्की की।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, पहले आरोपी ने सीएम को कुछ पेपर दिखाया। उसी दौरान थप्पड़ मारने की कोशिश की। पास में खड़े सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत पकड़ लिया। उसे सिविल लाइंस थाने में लाकर जिला पुलिस और स्पेशल सेल की टीम पूछताछ कर रही है।

दिल्ली पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि आरोपी का नाम राजेश भाई खिमजी भाई सकरिया है। उसकी उम्र 41 वर्ष है और वह ऑटो ड्राइवर है। आरोपी राजेश गुजरात के राजकोट का रहने वाला है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद ही पता चलेगा कि आखिर आरोपी ने सीएम पर हमला क्यों किया। क्या इसके पीछे कोई साजिश है?

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बताया कि सीएम रेखा गुप्ता जनसुनवाई के दौरान बैठकर लोगों की समस्या सुन रही थी। इसी दौरान एक शख्स सीएम के पास पहुंचा और पहले तो उसने कागज फेंके और फिर सीएम पर हमला कर दिया। बताया कि आरोपी ने सीएम रेखा गुप्ता का हाथ पकड़कर खींचा, जिससे टेबल में उनका सिर लग गया। उनके सिर में चोट लगी है। फिलहाल डॉक्टरों की टीम उनकी जांच कर रही है। उधर, भाजपा के तमाम नेता सीएम रेखा गुप्ता के आवास पर पहुंचे हैं।

हमलावर की मां का बयान आया सामने

41 वर्षीय राजेश पेशे से ऑटो ड्राइवर है। पुलिस सूत्रों के हवाले से राजेश की मां का बयान भी सामने आया है। आरोपी की मां भानु बेन ने कहा कि मेरा बेटा पशु प्रेमी है और डॉग वाले मुद्दे को लेकर दुखी था। इस वजह से वो दिल्ली गया था।

यूक्रेन में अपनी सेना नहीं भेजेगा अमेरिका

ट्रंप ने अब क्यों दे दी पुतिन को चेतावनी?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 18 अगस्त को यूक्रेन के राष्ट्रपति वालोडीमीर जेलेंस्की से मुलाकात की थी। इस दौरान यूरोप के भी 6 बड़े नेता और नाटो चीफ भी मौजूद थे। लेकिन मंगलवार को ट्रंप ने यूक्रेन में संभावित शांति समझौते को लागू करने में मदद के लिए अमेरिकी सैनिक भेजने से इनकार कर दिया। हालांकि उन्होंने एक बार फिर से रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को चेतावनी दी। ट्रंप ने कहा कि अगर रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति प्रक्रिया में सहयोग नहीं करते हैं, तो उन्हें कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

ये युद्ध नहीं होना चाहिए था-ट्रंप : ट्रंप से पूछा गया कि आपको क्या लगता है कि आगे चलकर जमीन पर (यूक्रेन की) सीमा की रक्षा के लिए अमेरिकी सैनिक नहीं होंगे? ट्रंप ने कहा, 'मैं बस लोगों की जान जाने से रोकने की कोशिश कर रहा हूं। वे उस बेतुके युद्ध में हर हफ्ते 5,000 से 7,000 लोगों को खो रहे हैं जो कभी नहीं होना चाहिए था। अगर हमारे पास एक सामान्य राष्ट्रपति होता, एक महान राष्ट्रपति भी नहीं अगर हमारे पास एक सामान्य राष्ट्रपति होता, तो यह नहीं होता।' ट्रंप ने यह भी उम्मीद जताई कि पुतिन यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि यह संभव है कि रूसी राष्ट्रपति कोई समझौता नहीं करना चाहे । ट्रंप ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि यह कोई समस्या होगी। मुझे लगता है कि पुतिन इससे (युद्ध) थक चुके हैं। वे सभी इससे थक चुके हैं, लेकिन आप सबकुछ नहीं जानते।'

पुतिन को क्यों किया फोन?

ट्रंप ने कहा 'हमें अगले कुछ हफ्तों में राष्ट्रपति पुतिन के बारे में पता चल जाएगा। हो सकता है कि वह कोई समझौता न करना चाहें। अगर ऐसा हुआ तो पुतिन को कठिन परिस्थिति का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने पुतिन और ज़ेलेंस्की के बीच एक आमने-सामने की बैठक की व्यवस्था करने में मदद के लिए पुतिन को फोन किया था, जिसके बाद उनकी अपनी एक त्रिपक्षीय बैठक भी होगी।'

बीजेपी का पलटवार | **कांग्रेस ने जिस ट्वीट को लेकर चुनाव आयोग को घेरा था, उसे सीएसडीएस ने माफी मांगते हुए किया डिलीट**

'वोट चोरी विवाद के बीच संजय कुमार ने महाराष्ट्र के डेटा को गलत बता मांगी माफी'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। सीएसडीएस के कोओर्डिनेटर संजय कुमार के महाराष्ट्र चुनाव की वोटर लिस्ट पर सवाल उठाने वाले अपनी ट्वीट डिलीट करते हुए माफी मांग ली है। सीएसडीएस के ट्वीट डिलीट करते ही भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। बीजेपी ने सीएसडीएस पर कांग्रेस के फर्जी बयान को बढ़ावा देते हुए गलत आंकड़े पेश करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस का कहना है कि उसने जरूर सीएसडीएस के

आंकड़ों का इस्तेमाल किया लेकिन अलग से इकठ्ठे किए गए सबूतों के आधार पर अपने निष्कर्षों की पुष्टि भी की।

संजय कुमार मांगी माफी : सीएसडीएस के कोओर्डिनेटर संजय कुमार के माफी मांगते हुए अपने उस ट्वीट को डिलीट कर दिया जिसमें महाराष्ट्र के कई विधानसभा क्षेत्रों में वोटर्स की संख्या में तेज वृद्धि और गिरावट का आरोप लगाया गया था।

आंकड़ों की तुलना में गलती हुई-संजय कुमार : उन्होंने कहा कि 'मैं महाराष्ट्र चुनावों के संबंध में पोस्ट किए गए ट्वीट्स के लिए ईमानदारी से माफी मांगता हूं। 2024 के लोकसभा और 2024 के विधानसभा चुनावों के आंकड़ों की तुलना करते समय गलती हुई। रॉ में दिए गए आंकड़ों को हमारी डेटा टीम ने गलत पढ़ा था। ट्वीट को अब हटा दिया गया है। मेरा किसी भी तरह की गलत सूचना फैलाने का कोई इरादा नहीं था।'

बीजेपी ने कांग्रेस को लिया आड़े हाथ : संजय कुमार की माफी पर बीजेपी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जिस संस्थान का सहारा लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाए थे, उसने अब स्वीकार कर लिया है कि उसके आंकड़े गलत थे। अमित मालवीय ने कांग्रेस नेता से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा, कि अब राहुल गांधी और कांग्रेस कहां हैं, जिन्होंने निर्लज्जतापूर्वक चुनाव आयोग पर निशाना साधा और असली मतदाताओं को नकली बताने की हद तक चले गए?